



20 वर्षीय अफ्रीकी युद्ध का अंत

चर्चा में क्यों?

इस माह की शुरुआत में इरीट्रिया की राजधानी अशमारा में इथियोपिया के परधानमंत्री अबी अहमद ने इरीट्रिया के राष्ट्रपति इसाइअस अफवरकी को गले लगाकर अंततः 20 वर्षों से जारी युद्ध जसिमें महादीप के दो सबसे गरीब देशों के कम-से-कम 80,000 लोगों की जान गई, को समाप्त करने की घोषणा की।

विवाद की जड़

अप्रैल 1993 में इरीट्रिया ने इथियोपिया के परसिंघ से अपने संबंध तोड़ लिये और अफ्रीका के हॉर्न पर लाल सागर के कनिरे महत्त्वपूर्ण रणनीतिक अवस्थिति वाला एक स्वतंत्र देश बन गया जो कि दुनिया के सबसे महत्त्वपूर्ण जहाजी मार्गों में से एक के बगल में है।

पाँच वर्ष बाद ही एक सीमावर्ती शहर बादमे पर नयिंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच युद्ध छढ़ि गया। इस शहर का कोई वशिष महत्त्व नहीं था, लेकिन दोनों देश इस पर कब्ज़ा करना चाहते थे।

आजादी के बड़े स्तर पर वसिथापन ने परवारों को छनिन-भनिन कर दिया और स्थानीय व्यापार अरथव्यवस्था पूरी तरह से नष्ट हो गई।

जून 2000 में दोनों देशों ने युद्ध वरिष्ठ के समझौते पर हस्ताक्षर किये। उसी वर्ष दसिंबर में अल्जीयरस (अल्जीरिया) में शांतिसमझौते के द्वारा औपचारिक रूप से युद्ध को समाप्त कर दिया गया और विवाद को सुलझाने के लिये सीमा आयोग की स्थापना की गई।

जब आयोग ने अप्रैल 2002 में अपने अंतमि और बाध्यकारी नियन्य में बादमे को इरीट्रिया को देने का निश्चय किया तब इथियोपिया ने बना अतिरिक्त शर्तों के नियन्य को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और इस प्रकार एक गतरीध उत्पन्न हो गया। अतः बादमे इथियोपिया के नयिंत्रण में बना रहा और सीमा पर संघर्ष होने लगा।

प्रमुख बातें

- दोनों नेताओं ने व्यापार, राजनयिकी और यात्रा संबंधों की पुनरबहाली तथा दोनों देशों के बीच "शांति और दोस्ती के एक नए युग" की घोषणा की।
- इथियोपिया-इरीट्रिया संघर्ष के कारण शरणार्थी संकट के दौरान हजारों इरीट्रियावासियों को यूरोप की ओर भागते हुए देखा गया।
- इथियोपिया के सततारूढ़ इथियोपियाई पीपुलस रीवोल्यूशनरी डेमोक्रेटिक फ्रंट (ईपीआरडीएफ) ने एक साल पहले यह संकेत दिया था कि वह इरीट्रिया के साथ अपने रशिते को बदलने पर विचार कर रहा है।
- युद्ध में भाग लेने वाले एक पूर्व सेना अधिकारी 41 वर्षीय अहमद के अप्रैल में परधानमंत्री बनने के बाद इस दिशा में तीव्रता से वृद्धि हुई। जून में उन्होंने घोषणा की कि इथियोपिया वर्ष 2000 में किये गए समझौते की सभी शर्तों का पालन करेगा।

शांति का संदर्भ

- इथियोपिया एक भू-आबद्ध देश है और इरीट्रिया के साथ युद्ध के वर्षों के दौरान से लेकर अदन की खाड़ी और अरब सागर तक पहुँच के लिये जिबूती पर निरिभर है, जो बाब अल-मंदाब जलसंधिपर स्थिति है।
- अब इथियोपिया जिबूती पर अपनी नियन्यता को कम करने के लिये इरीट्रिया के बंदरगाहों (मुख्य रूप से इरीट्रिया के अंतमि छोर पर स्थिति अस्साब) का उपयोग करना चाहता है।
- शांति की स्थापना इरीट्रिया के हति में है, भले ही राष्ट्रपति अफवरकी ने 1993 में देश की आजादी के बाद खुद को सत्ता में बनाए रखने के लिये युद्ध का इस्तेमाल किया था।
- पछिले दो दशकों में इरीट्रिया आरथिक गतिहीनता और सामाजिक तथा राजनयिकी अलगाव में फँसा रहा। इरीट्रिया ने अनविरय भरती द्वारा एक बड़ी सेना को बनाए रखा, संवधिन को नलिंबन के तहत रखा तथा प्रेस को प्रेशन कर दिया और ये सभी कार्य "इथियोपिया द्वारा इरीट्रियाई क्षेत्रों पर नियन्यता करने के लिए लड़ने के नाम पर किये गए।
- जबकि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग इरीट्रिया पर बार-बार गंभीर उल्लंघन का आरोप लगा चुका है। इरीट्रियाई लोगों के युद्ध और अनविरय सेन्य सेवा से भागने के कारण 2015-16 में यूरोपीय तटों पर शरणार्थी संकट की समस्या में तीव्र वृद्धि के परणामस्वरूप इरीट्रिया की सरकार पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव बहुत अधिक बढ़ गया।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/how-a-20-year-african-war-ended-in-an-embrace>